Resource: अध्ययन नोट्स (बिब्लिका)

License Information

अध्ययन नोट्स (बिब्लिका) (Hindi) is based on: Biblica Study Notes, Biblica Inc., 2023, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

अध्ययन नोट्स (बिब्लिका)

NAM

नहूम 1:1–8, नहूम 1:9–3:19

नहूम 1:1–8

परमेश्वर नें नहूम भविष्यद्वक्ता को एक दर्शन दिया।

पहला भाग इस बारे में था कि परमेश्वर कौन हैं। नहूम ने परमेश्वर को ईर्ष्यालु और क्रोधित करके वर्णन किया। जब उनके लोग उन्हें छोड़कर किसी और पर भरोसा करते हैं, तो परमेश्वर ईर्ष्यालु होते हैं। जब लोग बुरे काम करते हैं, तो परमेश्वर क्रोधित होते हैं। परमेश्वर धीरजवन्त है और अपने क्रोध पर तुरन्त कार्यवाही नहीं करता। इससे लोगों को उनके पाप से मुड़ने और पश्चाताप करने का अवसर मिलता है। यदि वे अपने मार्ग नहीं बदलते, तो परमेश्वर उनके विरुद्ध न्याय लाते हैं।

ये सभी बातें प्रत्येक व्यक्ति के लिए और लोगों के प्रत्येक समूह के लिए भी सत्य हैं। जब परमेश्वर ने अपने क्रोध में कार्य किया, तो वे तूफानों और आग के साथ आगे बढ़े। नहूम को दर्शन में परमेश्वर का कार्य ऐसा ही दिखाई दिया। नहूम ने सृष्टि पर परमेश्वर की शक्ति का वर्णन किया। इससे यह प्रकट हुआ कि परमेश्वर के पास हर उस चीज़ पर शक्ति है जो अस्तित्व में है। इसमें मनुष्यजाति भी शामिल हैं।

नहूम ने परमेश्वर को अच्छा भी बताया हैं। लोगों को केवल उन्हीं पर सुरक्षा और उद्धार के लिए भरोसा करना चाहिए। परमेश्वर उन लोगों की सुधि रखते हैं जो संकट में उनसे सहायता मांगते हैं।

नहूम 1:9–3:19

नहूम ने नीनवे और अश्शूर के खिलाफ न्याय के संदेश बोले।

योना की कहानी में नीनवे के खिलाफ न्याय का संदेश भी शामिल था। यह नहूम के समय से कई साल पहले की बात थी। उस समय योना ने नीनवे के लोगों और अगुवों को परमेश्वर का संदेश सुनाया। नीनवे के लोगों ने सुना और अपने तरीके बदल दिए। उन्होंने बुरे काम करना बंद कर दिया। परमेश्वर ने उन पर दया करी और जिस न्याय की उन्होंने चेतावनी दी थी, उसे नहीं लाए।

लेकिन नहूम के समय में नीनवे और अश्शूर के लोग फिर से बुराई कर रहे थे। नहूम का संदेश योना के संदेश से अलग था। यह केवल नीनवे शहर के लिए चेतावनी ही नहीं थी। यह पूरे अश्शूर राष्ट्र के लिए परमेश्वर का आदेश था। अश्शूर शासन के पास और कोई शक्ति नहीं होगी। परमेश्वर ने अश्शूर के शासन और सेनाओं का अपने उपकरणों के रूप में उपयोग किया था न्याय लाने के लिए।

उन्होंने उत्तरी राज्य के खिलाफ उनका न्याय लाकर उस पर पूरी तरह से नियंत्रण कर लिया। उन्होंने दक्षिणी राज्य के खिलाफ उनका न्याय लाकर बहुत हानि पहुंचाई। परमेश्वर ने अश्शूर को दक्षिणी राज्य पर पूरी तरह से नियंत्रण करने की अनुमति नहीं दी। लेकिन दक्षिणी राज्य को अश्शूर शासन के कर के साथ समर्थन करने के लिए मजबूर किया गया। इस कहानी को 2 राजा अध्याय 18 और 19 में दर्ज किया गया है।

फिर भी, अश्शूरियों ने यह नहीं पहचाना कि उन्हें सफलता इसलिए मिली क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें दी थी। वे झूठे देवताओं की उपासना करते थे और प्रभु के विरुद्ध बुरी योजनाएँ बनाते थे। वे झूठ बोलते, चोरी करते, हत्या करते और जादू का अभ्यास करते थे। वे व्यापार और व्यवसाय ऐसे तरीकों से करते थे जिसने लोगों के समूह और भूमि को बर्बाद कर दिया। ये जीवन जीने के तरीके पूरी तरह से उस तरीके के विरुद्ध थे जैसा परमेश्वर चाहते हैं कि लोग जिए।

इस कारण से परमेश्वर अब अश्शूरियों का उपयोग अपने उपकरण के रूप में नहीं करेंगे। राजा, अगुवे, सेना और व्यापारी मारे जाएंगे। नहूम ने अश्शूर के बारे में अपने संदेश दक्षिणी राज्य के लोगों को दिए। वे केवल उन लोगों में से एक थे जो अश्शूर के कारण पीड़ित हुए। जब परमेश्वर ने अश्शूरियों के शासन की बुरी कार्रवाइयों को रोक दिया, तो वह एक अच्छी खबर थी। यह उन लोगों के लिए अच्छी खबर थी जिन्हें अश्शूरियों शासन ने बुरी तरह से व्यवहार किया था। उनका कष्ट समाप्त हो गया और वे कुछ समय के लिए शांति प्राप्त कर सकते थे।